RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 01 JUNE 2022 TO 07 JUNE 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 38 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

भारत को और सस्ता मिल सकता है रूसी कच्चा तेल, यूरोपीय यूनियन ने रोका 90 फीसदी आयात Page 3

'Black Ribbon Initiative' 'समाधान' अभियान के तहत 539वीं कार्यशाला संपन्न Page 5

इलेक्ट्रिफाईंग- बीएमडब्लू आई-4 भारत में असीम शीयर ड्राइविंग प्लेजर के साथ प्रथम इलेक्ट्रिक मिड.साइज सिडान का आगमन Page 7

editoria!

व्यापार में वृद्धि

वित्त वर्ष 2021-22 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 119.42 अरब डॉलर पहुंच गया. इस अवधि में चीन के साथ भारत का व्यापार 115.42 अरब डॉलर रहा. इस तरह एक बार फिर अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार बन गया है. उल्लेखनीय है कि 2020-21 में अमेरिका और भारत के बीच 80.51 अरब डॉलर का आयात-निर्यात हुआ था. ये आंकड़े इंगित करते हैं कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध मजबूत होते जा रहे हैं. बीते वित्त वर्ष में अमेरिका को भारत ने 76.11 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि 2020-21 में यह 51.62 अरब डॉलर रहा था. अमेरिका से आयात भी लगभग 29 अरब डॉलर से बढ़कर 43.31 अरब डॉलर हो गया. चीन को होनेवाला निर्यात 21.18 अरब डॉलर से बढ़कर 21.25 अरब डॉलर हो गया, पर आयात 65.21 अरब डॉलर से बढ़कर 94.16 अरब डॉलर हो गया. हालांकि कुल व्यापार घाटे में वृद्धि हुई है, पर यह उत्साहजनक है कि बीते साल भारत का निर्यात 400 अरब डॉलर को पार कर गया. आयात में वृद्धि का एक बड़ा कारण तेल उत्पादों की बढ़ती कीमतें हैं तथा आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध के कारण भी दाम बढ़े हैं. दूसरी वजह यह है कि कोरोना संकट के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज वृद्धि हो रही है. बहुत सारे उत्पादों के कच्चे माल के लिए हमें आयात पर निर्भर रहना पड़ता है. लेकिन निर्यात में बड़ी वृद्धि यह दर्शाती है कि खेती, उद्योग और उद्यम के क्षेत्र में विकास बरकरार है. दो वर्षों से केंद्र सरकार ने देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थापित करने के उद्देश्य से आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किये हैं. इनके सकारात्मक असर दिखने लगे हैं और निकट भविष्य में निर्यात में और वृद्धि होने की आशा है. इससे व्यापार घाटे में भी कमी आयेगी. हालांकि चीन से व्यापार घाटा 72.91 अरब डॉलर हो गया है, जो 2020-21 में 44 अरब डॉलर था, पर भविष्य में यह स्थिति बदलेगी. अमेरिका उन कुछ देशों में हैं, जहां से भारत का व्यापारिक लाभ होता है. यह अभी 32.8 अरब डॉलर है. अमेरिका और यूरोप से लेकर एशिया, लातिनी अमेरिका और अफ्रीका तक व्यापारिक समझौतों को लेकर वार्ताएं चल रही हैं तथा कुछ मुक्त व्यापार समझौते हुए भी हैं. भारत एक भरोसेमंद व्यापारिक साझीदार के रूप में उभर रहा है. बीते दो वर्षों में दुनिया ने यह अनुभव कर लिया है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में विविधता होनी चाहिए तथा चीन पर अत्यधिक निर्भरता अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए हितकारी नहीं है. इस कारण भारत समेत कुछ देशों में बड़े पैमाने पर वित्तीय निवेश भी हो रहा है तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन संयंत्र भी स्थापित कर रही हैं. अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार तो बढ़ेंगे ही, हाल में क्वाड समूह की ओर से घोषित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में 50 अरब डॉलर के इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश से बहुपक्षीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा.

अप्रैल के मुकाबले मई में घट गया जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली। एजेंसी

मई के जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े आ गए हैं। मई में माल एवं सेवा कर (उएऊ) संग्रह एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 44 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.41 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को मई, 2022 के जीएसटी संग्रह के आंकड़े जारी करते हुए यह जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक, मई, 2022 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,40,885 करोड़ रुपये रहा। यह आंकड़ा पिछले दो माह के जीएसटी संग्रह से कम है। अप्रैल में जीएसटी संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपये के रेकॉर्ड स्तर पर रहा था। उसके पहले मार्च, 2022 में जीएसटी संग्रह 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा था।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि मई के 1,40,885 करोड़ रुपये के जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का हिस्सा 25,036 करोड़ रुपये रहा। राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) संग्रह 32,001 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) संग्रह 73,345 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा 10,502 करोड़ रुपये का उपकर भी जुटाया गया। मार्च से लगातार तीसरे महीने जीएसटी कलेक्शन 1.40 लाख करोड़ रुपये के पार रहा है।

44 फीसदी बढ़ोतरी

मई, 2022 के लिए राजस्व संग्रह मई, 2021 की तुलना में 44 प्रतिशत बढ़ गया। एक साल पहले के समान महीने में जीएसटी संग्रह 97,821 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई, 2017 में जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद से यह चौथा मौका है जब मासिक जीएसटी संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, अप्रैल में कुल 7.4 करोड़ ई-वे बिल निकाले गए, जो मार्च के 7.7 करोड़ ई-वे बिल से करीब चार प्रतिशत कम है।

120 डॉलर के पार पहुंचा कच्चा तेल

अब फिर बढ़ जाएंगे डीजल पेट्रोल के दाम

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्र सरकार द्वारा की गई कटौती के बाद एक बार डीजल और पेट्रोल के दाम में कमी आई थी लेकिन लगता है कि यह राहत ज्यादा दिनों तक मिलने वाली नहीं है। क्योंकि कच्चे तेल के दाम फिर बढ़ गए हैं। ऐसे में डीजल पेट्रोल के दाम बढ़ना निश्चित है। जानकारी मिल रही है कि इंटरनेशनल मार्केट में कच्चा तेल 120 डॉलर के करीब बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार आयल प्राइस डॉट कॉम के मुताबिक 31 मई को दोपहर 12.15 बजे क्रूड आयल 123.8 डॉलर प्रति बैरल था। वही डब्ल्यू टी आई क्रूड 119.2 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसलिए भी बढ़े तेल दाम: आईआईएफएल सिक्योरिटी के वाइस प्रेसिडेंट की माने तो कच्चे तेल के दाम बढ़ने का एक कारण अमेरिका में ट्रैवल एक्टिविटीज में तेजी होना है। बताया गया है कि अमेरिका में समर ड्राइव सीजन की शुरुआत इस महीने में होती है। ऐसे में तेल की खपत सामान्य दिनों से कहीं ज्यादा बढ़ जाती है। घरेलू खपत बढ़ने की वजह से अमेरिका में तेल की डिमांड बढ़ती है जिससे इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत में उछाल आया हुआ है।

और भी महंगा हो सकता है क्रूड आयल : संभावना जताई जा रही है कि आने वाले 15 दिनों में क्रूड आयल 130 डॉलर तक जा सकता है। क्रूड आयल का लगातार बढ़ना भारत जैसे देश के लिए खतरे की घंटी है। क्योंकि यहां पहले से ही तेल के दाम बैढ़ हुए हैं। अब अगर क्रूड आयल के दाम लगातार बढ़े तो न चाहते हुए भी घरेलू बाजार में डीजल पेट्रोल के दाम देश में बढ़ जाएंगे। वहीं जानकारों द्वारा बताया जा रहा है की चीन जैसे देश में भी तेल की डिमांड बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार 1 जून से चीन कोरोना संबंधित मामलों में बहुत ढील दे रहा है। स्थिति सामान्य होते ही तेल के दाम बढ़ेंगे। अंदाजा लगाया जा रहा है कि कच्चा तेल 138 डॉलर पहुंच जाएगा। कुल मिलाकर बताया जा रहा है कि इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल में तेजी जारी रहेगी। ऐसे में भारत जैसे देश जहां तेल की खपत उत्पादन से ज्यादा है वहां भाव बढ़ना निश्चित है। देश में तेल के उत्पादन के बाद भी करीब 85 प्रतिशत तेल आयात करना पड़ रहा है।

रूस पर अटैक करेगा यूक्रेन!

अमेरिका भेजने जा रहा लंबी है दूरी की मिसाइलें

एजेंसी

यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों में रूसी हमला जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने घोषणा की है कि अमेरिका यूक्रेन की मदद करने के लिए और अधिक उन्नत रॉकेट सिस्टम भेजगा। रिपोर्ट्स बताती हैं कि यूक्रेन इस तरह के रॉकेट सिस्टम की मांग बहुत दिनों से कर रहा था। ये हथियार दुश्मन सेना को लंबी दूरी से अधिक सटीक रूप से हमला करने में मदद करने के लिए हैं।

अमेरिका ने पहले हथियार देने से किया था मना

रिपोर्ट्स बताती हैं कि अमेरिका ने अब तक इस डर से अपील को अस्वीकार कर दिया था क्योंकि यूक्रेन रूस में रूसी ठिकानों पर हमले कर सकता था। अब घोषणा करते हुए बाइडेन ने कहा है कि घातक सहायता रूस के खिलाफ कीव की बातचीत की स्थिति को मजबूत करेगी और एक राजनयिक समाधान की अधिक संभावना होगी। बाइडेन ने आगे कहा है कि मैंने फैसला किया है कि हम यूक्रेन को और अधिक उन्नत रॉकेट सिस्टम और युद्ध सामग्री प्रदान करेंगे जो उन्हें यूक्रेन में युद्ध के मैदान पर महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर अधिक सटीक रूप से हमला करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने साफ कहा है कि हम यूक्रेन रॉकेट सिस्टम नहीं भेजने जा रहे हैं जो रूस में हमला कर सकते हैं।

रूसी हथियारों की तुलना में अधिक सटीक?

वाइट हाउस के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि नए हथियारों में M142 हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम (HIMARS) शामिल होगा। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि उनमें से कितने की आपूर्ति की जाएगी। यह सिस्टम 70 किलोमीटर दूर लक्ष्य पर कई सटीक-निर्देशित मिसाइलों को लॉन्च कर सकता है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

News यू केन USE

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों ने दो माह में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन का बनाया नया कीर्तिमान

जबलपुर। आईपीटी नेटवर्क

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड के ताप विद्युत गृहों द्वारा कोयले की कमी होने के बावजूद चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के पहले दो माह अप्रैल व मई में कुल 4981 मिलियन यूनिट ताप विद्युत उत्पादन किया गया, जो दो माह में सर्वाधिक विद्युत उत्पादन करने का नया कीर्तिमान है। इससे पूर्व पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 में अप्रैल व मई 2019 में 4527 मिलियन यूनिट ताप विद्युत उत्पादन किया गया था। पावर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना दोंगालिया (खंडवा) द्वारा इस दौरान 2660 मिलियन यूनिट, संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर ने 1316 मिलियन यूनिट, अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई ने 301 मिलियन यूनिट और सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी ने 704 मिलियन यूनिट ताप विद्युत उत्पादन किया। इन विद्युत गृहों का उत्पादन इस अवधि? का सर्वश्रेष्ठ विद्युत उत्पादन है। ताप विद्युत गृहों का इस अवधि में प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 74.45 प्रतिशत (सारनी पावर हाउस दो व तीन को छोड़ कर) रहा। इस दौरान ताप विद्युत गृहों का ऑक्जलरी खपत 7 प्रतिशत एवं विशिष्ट तेल खपत 0.3 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों के उत्कृष्ट प्रदर्शन व नया कीर्तिमान बनाने पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा विभाग श्री संजय दुबे एवं पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए ताप विद्युत गृहों के समस्त अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी ताप विद्युत गृह उत्पादन के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार रखेंगे।

सेरोसॉफ़्ट ने बढ़ाया शहर का मान पुणे में मिला लीडिंग एजुकेशन इ आर पी सॉलूशन प्रोवाइडर ऑफ़ दी ईयर 2022 अवार्ड

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

हाल ही में पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित एक सम्मान समारोह में सेरोसॉफ़्ट (एकेडेमिया इ आर पी) को लीडिंग एजुकेशन इ आर पी सॉलूशन प्रोवाइडर ऑफ़ दी ईयर 2022 के अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड सेरोसॉफ़्ट ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अर्जित किया है। इस समारोह का उद्देश्य उन उच्च शिक्षण संस्थानों एवं कॉर्पोरेट्स के योगदान को सराहना,प्रोत्साहित एवं सम्मानित करना था जिन्होंने शिक्षण के क्षेत्र में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया बीते कठिन समय में भी। सेरोसॉफ़्ट को इस अवार्ड के लिए चयनित होने में सबसे बड़ा योगदान रहा उसका 20 से अधिक देशों में एकेडेमिया इ आर पी का विस्तार। कोविड-19 के कठिन समय में शिक्षण संस्थानों को डिजिटल होने में सबसे बड़ा योगदान रहा है सेरोसॉफ़्ट (एकेडेमिया इ आर पी) का। इंदौर स्थित सॉफ्टवेयर निर्माणकर्ताओं में एक बड़ा व सम्मानित नाम है सेरोसॉफ़्ट। हाल ही में कंपनी को देश की एक प्रतिष्ठित मीडिया ग्रुप द्वारा लगातार तीसरे साल इंडिआस ग्रोथ चैम्पियन 2022 अवार्ड से समान्नित किया गया था । इसके पूर्व में भी कंपनी ने अनेक पुरस्कार अपने नाम किये हैं जैसे की डेलॉइट टेक्नोलॉजी फ़ास्ट 50 इंडिया 2018 एवं 2019, टेक्नोलॉजी फ़ास्ट 500 APAC 2018 एवं 2019, रेड हेरिंग टॉप 100 ग्लोबल इत्यादि। सेरोसॉफ़्ट के सीईओ एवं एम.डी. श्री अर्पित बड़जात्या जी ने इस पुरस्कार से सम्मानित होने पर बताया - ' इंदौर शहर आईटी के क्षेत्र में तेज़ी से बढ़ रहा है। सेरोसॉफ़्ट ने अपने स्थापना के समय से ही शहर में आईटी को स्थापित करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।सेरोसॉफ़्ट ने निरंतर अनेक मंचों पर सम्मान प्राप्त कर सदैव इंदौर शहर का मान बढ़ाया है और भविष्य में भी ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

रूस से कौन-कौन से देश खरीद रहे सस्ता कच्चा तेल?

खरीदारों में भारत और चीन भी शामिल

मॉस्को। एजेंसी

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अमेरिका समेत सभी पश्चिमी देश बौखलाए हुए हैं। यही कारण है कि रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की बौछार हुई पड़ी है। इसका सबसे ज्यादा असर रूसी कच्चे तेल और गैस के निर्यात पर देखा जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा समेत कई पश्चिमी देशों ने पहले ही रूसी कच्चे तेल के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया तो खुद रूस ने कई देशों को शर्तों को पूरा न करने के कारण सप्लाई रोक दी है। इस कारण पूरी दुनिया में तेल और गैस के दाम में जबरदस्त उछाल देखा गया। इसी को काटने के लिए रूस ने सस्ते दाम पर अपने तेल और गैस को बेचना शुरू कर दिया। इसका फायदा भारत समेत कई देशों ने उठाया है।

रूसी तेल के वर्तमान खरीदार

भारत

भारत की सरकारी तेल कंपनियां भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और मैंगलोर रिफाइनरी ने रूस के कच्चे तेल की खरीद की है। भारत पेट्रोलियम ने ट्रेडर ट्रैफिगुरा से 2 मिलियन बैरल रूसी तेल को खरीदा है। भारत पेट्रोलियम नियमित रूप से कोच्चि रिफाइनरी के लिए 310,000 बैरल प्रति दिन के हिसाब से कच्चे तेल की खरीद कर रहा है। वहीं भारत पेट्रोलियम ने भी मई में 2 मिलियन बैरल रूसी कच्चे तेल की खरीद की है। इंडियन ऑयल ने तो 24 फरवरी के बाद से रूस से 6 मिलियन बैरल से अधिक तेल की खरीद की है। इनके अलावा भारतीय निजी रिफाइनरी नायरा एनर्जी भी तेल की खरीद कर रही है।

इटली

इटली की सबसे बड़ी रिफाइनरी आईएसएबी सरकार के दबाव के बावजूद रूस से तेल की खरीद कर रही है। इस कंपनी का स्वामित्व Lukoil के पास है। जिसके बाद इटली की सरकार इस रिफाइनरी का अस्थायी रूप से राष्ट्रीयकरण करने की योजना पर विचार कर रही है।

फ्रांस के TotalEnergies के स्वामित्व वाली लीना रिफाइनरी, ड्रुज़बा पाइपलाइन के जरिए रूसी कच्चे तेल और गैस की खरीद को जारी रखे हुए है।

रूस ने पश्चिमी प्रतिबंधों को बताया 'गैरकानूनी कार्रवाई', दूसरे देशों पर फोड़ा खाद्य संकट का ठीकरा जर्मनी की सबसे बड़ी रिफाइनरी मिरो भी रूस से कच्चे तेल को खरीद रही है। इस रिफाइनरी का 24 फीसदी मालिकाना हक रूस की रोसनेफ्ट के पास है। जर्मनी की पीसीके श्वेड्ट रिफाइनरी रूसी कच्चे तेल को खरीदना जारी रखे हुए है। हंगरी की तेल कंपनी एमओएल भी रूस से कच्चे तेल की खरीद को जारी रखे हुए है। कंपनी ने कहा है कि स्लोवाकिया और हंगरी में अपनी दो रिफाइनरियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था को बनाने में 2 से 4 साल का समय लगेगा।

बुल्गारिया

रूस के लुकोइल के स्वामित्व वाली एक बल्गेरियाई रिफाइनरी नेफ्टोचिम बर्गास रूस के कच्चे तेल की खरीद को जारी रखे हुए है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, कंपनी अपने कुल तेल का 50 फीसदी हिस्सा रूस से ले रही है। चीन लंबे समय से रूसी कच्चे तेल और गैस का खरीदार है। वर्तमान में रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के बावजूद चीन कच्चे तेल का खरीदार बना हुआ है। चीन की सरकारी कंपनी सिनोपेक ने रूस से लंबे समय का अनुबंध किया हुआ है। इंडोनेशियाई सरकारी कंपनी पर्टामिना रूस से कच्चा तेल खरीदने पर विचार कर रही है। इंडोनेशिया में तेल की मांग लगातार बढ़ रही है और अधिक कीमत होने के कारण रिफाइनरियों को कच्चे तेल की आपूर्ति को बनाए रखने में परेशानी हो रही है।

भारत को और सस्ता मिल सकता है रूसी कच्चा तेल, यूरोपीय यूनियन ने रोका 90 फीसदी आयात

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सबक सिखाने के लिए यूरोपीय यूनियन ने कच्चे तेल का आयात रोकने का बड़ा फैसला किया है। इस फैसले के तहत अगले 6 महीने में रूस से किए जाने वाले तेल आयात में 90 फीसदी की कटौती कर दी जाएगी। इस फैसले से कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें फिर से बढ़ने लगी हैं और 122 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है।

यूरोपीय यूनियन के इस फैसले से भारत को फायदा मिल सकता है और रूस कम कीमत पर भारत को तेल बेचने पर मजबूर हो सकता है। यूरोप अपनी जरूरत का 25 फीसदी कच्चा तेल और 40 फीसदी प्राकृतिक गैस रूस से आयात करता है। ऐसे में ज्यादातर यूरोपीय देशों के लिए तेल आयात को प्रतिबंधित करना मुश्किल भरा फैसला था। खास तौर पर ऊर्जा जरूरतों के लिए जो देश रूस पर पूरी तरह आश्रित हैं, वे ऐसा करने से बचना चाहते थे।

रूस ने नहीं दी फैसले को तवज्जो

यूरोपीय यूनियन के प्रतिबंधों के साथ रूस से क्रूड ऑयल और पेट्रोलियम प्रॉडक्ट्स की खरीद पर रोक लग जाएगी, लेकिन पाइपलाइन क्रूड को अस्थायी रूप से छूट जारी रहेगी। इस प्रतिबंध में समुद्र के रास्ते लाया जाने वाला रूसी तेल भी शामिल है। रूस ने यूरोपीय संघ के इस फैसले को ज्यादा तवज्जो नहीं दी है। विएना स्थित अंतरराष्ट्रीय संगठनों में रूस के स्थायी प्रतिनिधि मिखाइल उलियानोव ने अपने ट्वीट में कहा, "रूस को दूसरे आयातक मिल जाएंगे."

भारत के पास सस्ता तेल पाने का बेहतर मौका

अमेरिका और यूरोप की कार्रवाई से रूस एशिया के इच्छुक खरीदारों को आपूर्ति बढ़ाने के लिए मजबूर हो रहा है। इसमें भारत पश्चिमी रूस से निकलने वाले क्रूड के लिए सबसे बड़ा बाजार है। रूस पिछले काफी समय से भारत को सस्ते तेल का ऑफर दे रहा है और भुगतान की समस्या सुलझाने में लगा है। मौजूदा माहौल में भारत रूस से तेल की कीमतों को लेकर और मोलभाव कर सकता है। सस्ते कच्चे तेल से भारत को न सिर्फ महंगाई कम रखने में मदद मिलेगी, बल्कि तेल आयात पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा बचाने में भी सहायता मिलेगी।

रूस से बढ़ा तेल आयात

पिछले कुछ महीनों से भारत रूस से सस्ती कीमत पर कच्चा तेल खरीद रहा है. यही वजह है कि भारत का समुद्री कच्चे तेल का आयात अप्रैल में 48 लाख बैरल से ऊपर निकल गया। पहली बार अप्रैल में भारत के कुल समुद्री क्रूड के आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 5 फीसदी तक पहुंच गई. यह 2021 में 1 फीसदी से भी कम थी।

ग्लोबल स्तर पर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के प्रति भारत लगातार संवेदनशील होता जा रहा है। यही वजह है कि अमेरिकी पाबंदियों और धमकियों के बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात करना न सिर्फ जारी रखा, बल्कि इसमें धीरे-धीरे बढ़ोतरी भी करता जा रहा है। रूस भारत का काफी पुराना दोस्त है। कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक और सामरिक मौकों पर रूस ने भारत की मदद की है। साथ ही भारत के ज्यादातर सैन्य हथियार रूस निर्मित हैं। उस दोस्ती को और मजबूत बनाते हुए भारत अब कच्चा तेल खरीद कर रूस की मदद कर रहा है।

150 से अधिक रियल एस्टेट रियल्टर्स ने मिलकर किया 'एसोसिएशन ऑफ इंदौर रियल्टी एक्सपर्ट्स' का गठन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

शहर के 150 से अधिक रियल एस्टेट रियल्टर्स ने मिलकर इंदौर में हाल ही में मध्यप्रदेश के सबसे बड़े रियल्टर्स एसोसिएशन का गठन किया है, जिसका नाम 'एसोसिएशन ऑफ इंदौर रियल्टी एक्सपर्ट्स (एयर)' है। यह गठन रियल एस्टेट फील्ड में करियर स्थापित करने की इच्छा रखने वाले युवा वर्ग को शिक्षित करने के साथ ही ग्राहकों तथा बिल्डर्स के मध्य पारदर्शी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस एसोसिएशन को स्थापित करने का उद्देश्य रियल एस्टेट कंसल्टेंसी व्यवसाय को बदलते चलन के साथ नए आयाम देना और ग्राहकों, बिडर्स और सहयोगियों के बीच अधिक पारदर्शिता लाना है। बिल्डर एसोसिएशन, क्रेडाई ने इस नए एसोसिएशन को अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

उक्त गठन को लेकर उत्साहित, गजेंद्र नारंग, एसोसिएशन प्रेसिडेंट, एयर ने जानकारी देते हुए कहा, 'उक्त एसोसिएशन रियल्टर्स को व्यापार के नए अवसर इंदौर तथा इंदौर के बाहर राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान करेगा, और साथ ही समय-समय पर रियल्टर्स के लिए एजुकेशन तथा ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन भी करेगा। एसोसिएशन रियल एस्टेट कारोबार को नए स्तर पर ले जाएगा और नई उपलब्धि हासिल करेगा।' शुभम अग्रवाल, सचिव, एयर ने कहा, 'रियल एस्टेट फील्ड में लिया गया यह बड़ा कदम, रियल स्टेट व्यापार में पारदर्शिता लाने के साथ ही कस्टमर्स को कई सुविधाएँ प्रदान करेगा।' उपाध्यक्ष हितेश जैन और पल्लव विजयवर्गीय द्वारा व्यापार को बढ़ाने हेतु तथा रियल्टर्स के मध्य सामंजस्य स्थापित करने हेतु बिजनेस एक्सचेंज प्रोग्राम को समय-समय पर आयोजित करने की अपील की गई। वहीं बोर्ड मेंबर्स मितेश शाह और संजय जैन द्वारा बताया गया कि रियल्टर्स के मध्य टीम स्पिरिट की भावना को विकसित करने हेतु एक-दूसरे को सहयोग किया जाएगा और समुचित प्रयास किए जाएँगे। बोर्ड के अन्य सदस्य मितेश शाह, संजय जैन, विवेक गौर, देवेंद्र उपाध्याय, विनोद वर्मा और रितेश ठाकुर उपस्थित थे, जो एसोसिएशन के विभिन्न कार्यक्रमों और सीएसआर गतिविधियों में शामिल होंगे।

अनअकैडमी के ऑफ़लाइन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्रवेश परीक्षा इंदौर में

ऑफलाइन टेस्ट 4 जून तथा 5 जून को

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत का सबसे बड़ा शिक्षण मंच, अनअकैडमी ने 'अनअकैडमी नेशनल स्कालरशिप' प्रवेश परीक्षा (यूएनएसएटी) की घोषणा की है जो विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए पहली ऑफलाइन परीक्षा होगी। यह परीक्षा 4 और 5 जून 2022 को दिल्ली, कोटा, बेंगलुरु, विशाखापत्तनम, इंदौर और भारत के अन्य 40 प्रमुख शैक्षिक केंद्रों में आयोजित की जाएगी। यूएनएसएटी नीट-यूजी, आईआईटी-जेईई और फाउंडेशन (9-12) पाठ्यक्रमों के सभी उम्मीदवारों के लिए आयोजित कराई जा रही है।

यूएनएसएटी एक संगठित ऑफ़लाइन इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के अनअकैडमी के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम होगा क्योंकि यह ब्रांड जल्द ही पूरे देश में ऑफलाइन अनअकैडमी केंद्र लॉन्च करेगा। विद्यार्थी जो यूएनएसएटी में उत्तीर्ण होंगे, वे अनअकैडमी के कोटा, जयपुर, बैंगलोर, चंडीगढ़, अहमदाबाद, पटना, पुणे, लखनऊ, दिल्ली और अन्य आगामी केंद्रों में नामांकन के पात्र होंगे। विद्यार्थी छात्रवृत्ति का उपयोग अनअकैडमी सेंटर तथा ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन में नामांकन के लिए कर सकते हैं। टेस्ट में प्रदर्शन के आधार पर आवेदक 90३ तक छात्रवृत्ति के लिए पात्र होंगे। सभी विद्यार्थियों के लिए कुल छात्रवृत्ति राशि डेढ़ सौ करोड़ रुपए के बराबर है।

स्कॉलरशिप एंट्रेंस टेस्ट सभी विद्यार्थियों के समग्र लर्निंग एक्सपीरियंस को और भी सुलभ बनाएगी ताकि वह अपने वांछित पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकें। टेस्ट में बैठने वाले विद्यार्थियों को अनअकैडमी का मर्चेंडाइज मिलेगा तथा शीर्ष रैंक हासिल करने वालों को अतिरिक्त पुरस्कार भी दिया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य पूरे देश के विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहां सभी शिक्षार्थी ऑफलाइन तथा ऑनलाइन पाठ्यक्रम के द्वारा उच्च क्वालिटी का लर्निंग एक्सपीरियंस पा सकें। परीक्षा में आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों को एक मामूली पंजीकरण शुल्क देना होगा।

पेबैक इंडिया ने अपोलो फार्मेसी के साथ स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा की

पूरे भारत में 4500 अपोलो फार्मेसी आउटलेट्स में लाइव होगी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारतपे कंपनी और देश के सबसे बड़े मल्टी-ब्रांड लॉयल्टी प्रोग्राम, पेबैक इंडिया ने भारत की सबसे बड़ी फार्मेसी, अपोलो फार्मेसी के साथ एक रणनीतिक गठबंधन की घोषणा की। यह फार्मेसी उद्योग में पेबैक इंडिया के लिए अपनी तरह की पहली पार्टनरशिप है। कंपनी ने घोषणा की कि यह पार्टनरशिप पेबैक को अपने 100 मिलियन से अधिक सदस्यों के साथ ज्यादा बेहतर संबंध बनाने के साथ ही 4500 अपोलो फार्मेसी आउटलेट्स में नए ग्राहकों को जोड़ने में भी मदद करेगी।

एलिजिबल पेबैक सदस्य अपोलो फार्मेसी आउटलेट्स पर खरीददारी के बाद पॉइंट्स पाने में सक्षम होंगे। सभी सदस्य बिलिंग में डिस्काउंट का आनंद लेने के लिए अपोलो फार्मेसी आउटलेट्स पर अपने लॉयल्टी पॉइंट्स को रिडीम करने में सक्षम होंगे। यह दोनों के लिए फायदे का सौदा है क्योंकि अपोलो फार्मेसी को पेबैक के बड़े सदस्य आधार से जुड़ने में मौका मिलेगा और पेबैक पॉइंट्स प्राप्त करने और रिडीम करने के लिए फ्रीक्वेंट कंस्यूमर स्पेंड पार्टनर के साथ संबंध को गहरा करेगा। इसके अतिरिक्त, अपोलो फार्मेसी पेबैक के कस्टमर इनसाइट्स का लाभ उठाने में सक्षम होगी ताकि अपसेलिंग, क्रॉस-सेलिंग, नए ग्राहकों को जोड़ने और पुराने ग्राहकों को भी बनाये रखा जा सकें।

खरीददारी के बाद पॉइंट्स प्राप्त और रिडीम कर सकेगें

पेबैक इंडिया के सीईओ श्री रिजिश राघवन ने एसोसिएशन के बारे में कहा, 'पार्टनर नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हमारी अगली विकास रणनीति के रूप में, हम नए वर्टिकल में विस्तार करने के साथ-साथ उच्च आवृत्ति श्रेणियों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पार्टनरशिप करने के लिए फार्मेसी बिलकुल ही नया क्षेत्र है और भारत की सबसे बड़ी और सबसे प्रसिद्ध फ़ार्मेसी चेन्स में से एक, अपोलो फार्मेसी के साथ पार्टनरशिप करके इस सेगमेंट में प्रवेश करते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है। पेबैक इंडिया में, हम सबसे पहले अपने ग्राहकों के हित को ध्यान रखते हैं और हमने हमेशा बेहतर ग्राहक जुड़ाव, अनुभव और पुरस्कारों इंगेजमेंट, एक्सपीरियंस और रिवाड्र्स पर ध्यान केंद्रित किया है। इस पार्टनरशिप के बारे में अपोलो फार्मेसी के सीईओ श्री पी जयकुमार ने कहा, 'यह पार्टनरशिप सबसे बड़े मल्टीब्रांड लॉयल्टी प्रोग्राम और भारत की सबसे बड़ी फार्मेसी चैन को एक साथ लाती है। बदलते हुए उपभोक्ता व्यवहार के साथ, यह आवश्यक है कि हमारे उपभोक्ताओं के पास न केवल स्टोर के अंदर उत्पाद और सेवाओं के मामले में बल्कि भुगतान के मामले में भी विकल्प हों।

पारले एग्रो कर रही है किसानों और फल प्रसंस्करण साझेदारों के विकास के लिये अवसरों का निर्माण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी बेवरेज कंपनी पारले एग्रो फ्रूटी और ऐपी जैसे फलों से बने प्रतिष्ठित बेवरेज ब्रांड्स बनाने में अग्रणी रही है। ये पेय पदार्थ लगभग हर भारतीय के दिलों पर राज करते हैं देश और दुनिया भर में अपने उत्पादों की व्यापक मांग को पूरा करने के उद्देश्य से पारले एग्रो अपने आंतरिक आधारभूत संरचना को अपडेट करने में ध्यान केंद्रित कर रही है इसके साथ ही कंपनी समूचे भारत में अपने फल प्रसंस्करण साझेदारों की काबिलियत और क्षमताओं का निर्माण करने में तत्परता से काम भी कर रही है। इस अवसर पर शौना चौहान सीईओ पारले एग्रो ने कहा पारले एग्रो कच्चे माल और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के मामले में हमेशा ही भारत-केंद्रित रहेगी हमारा लक्ष्य भारत के आर्थिक रूप से निर्माण में योगदान देकर और पूरे भारत में छोटे किसानों और एसएमई और एमएसएमई के लिये अवसर पैदा करके भारत की शानदार विकास कहानी का हिस्सा बनना है भारत में अपने साझीदारों की क्षमताओं में सुधार लाना और उनकी क्षमताओं का निर्माण करने और बेवरेज श्रेणी में बेहतरीन उत्पाद का निर्माण करने में अग्रणी रहना हमेशा से ही हमारा लक्ष्य रहा है

वर्ष 1985 से ही पारले एग्रो ने भारत में फलों का उत्पाणदन करने वाले किसानों और प्रोसेसर्स के साथ लगातार काम किया है ताकि उन्हें आगे विकसित किया जा सके और उन्हें अपनी कमाई बढ़ाने के अवसर मिल पाएं कंपनी इस दिशा में आगे बढ़ती जा रही है और उसने अपने प्रसंस्करण साझीदारों पर भारी निवेश किया है ताकि उन्हें अपनी उच्चतम क्षमता दिखाने में मदद मिल सके इसके साथ ही कंपनी ने भारत से ही 100: स्रोत का दृढ़ संकल्प लिया है ऐतिहासिक रूप से पारले एग्रो ने हमेशा से भारत से फलों की आपूर्ति की है और चीन से भी आयात किया जा रहा था ताकि एप्पल जूस की उनकी जरूरतों को पूरा किया जा सके लेकिन अब कंपनी ने चीन से एप्पल जूस के आयात को पूरी तरह से बंद कर दिया है और भारतीय किसानों के अपने नेटवर्क के माध्यम से पूरी तरह से अकेले भारत से इसकी आपूर्ति की जा सके। पारले एग्रो ने 1985 में आम से बने अपने लोकप्रिय ब्रांड फ्रूटी का निर्माण करने के लिये स्थानीय फल प्रसंस्करण साझीदरों से 1,000 मीट्रिक टन मैंगो पल्प मंगाने से शुरूआत की थी पारले एग्रो ने आश्चर्यजनक रूप से बढ़ोतरी की है और वर्तमान में 150,000 मीट्रिक टन आमों से उच्च क्वालिटी के मैंगो पल्प निकाल रही है और इस तरह आम की खपत 150 गुना बढ़ गई है पारले एग्रो के मौजूदा फल आधारित उत्पांदों द्वारा वर्तमान में कुल मिलाकर लगभग 210,000 मीट्रिक टन फल का उपयोग किया जाता है पिछले पंद्रह सालों में कंपनी के फलों की खपत पांच गुना बढ़ गई है। भारत में फ्रूट पल्प की कुल खपत का लगभग एक तिहाई, पारले एग्रो द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। एक मजबूत आम प्रसंस्करण आपूर्ति श्रृंखला बनने के अपने सफल प्रयास के बाद, पारले एग्रो ने एप्पल जूस कॉन्संट्रेट के लिये एक समान नेटवर्क के निर्माण की कल्पना की, क्योंकि इसके एप्पल आधारित पेय जैसे ऐपी, ऐपी फिज़ और बी फिज़ को काफी पसंद किया जाता है। कंपनी की सेब की जरूरत 5,000 मीट्रिक टन से बढ़कर लगभग 60,000 मीट्रिक टन हो गई है। स्थानीय किसानों की आय में योगदान करते हुए इसने स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर काफी प्रभाव डाला है, साथ ही साथ स्थानीय सेब प्रसंस्करण साझीदारों के लिये विकास के अवसर प्रदान कर रहा है।

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया कर रहा है रीच ईच चाइल्ड प्रोग्राम के जरिए

मां और बच्चे की पोषण संबंधी जरूरतें पूरी 'जीवन बचाने के लिए एक साथ '

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

डेटॉल बनेगा स्वस्थ भारत की पोषण पहल के दो वर्षों के सफलतापूर्वक पूरा होने बाद, रीच ईच चाइल्ड प्रोग्राम ने समाज पर काफी सकारात्मक असर डाला है। इस योजना का लक्ष्य अमरावती और नंदुरबार जिलों में कुपोषण के कारण होने वाली बच्चों की मौत को शून्य पर लाना है और हजारों लोगों की जान बचाना है। लगातार किए जा रहे प्रयासों और जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों के माध्यम से, यह कार्यक्रम आज पांच साल से कम उम्र के हजारों बच्चों की मदद कर रहा है। इस काम में मदद के लिए कम्युनिटी न्यूट्रिशन वर्कर्स के नाम से फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं का एक कैडर तैयार किया है। कुपोषण के खिलाफ अपनी लड़ाई में देश की मदद करने के उद्देश्य से, रेकिट और प्लान इंडिया मिलकर बेहतर पोषण में निवेश करते हुए भारत में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य मानकों में सुधार की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। जमीन पर अपने निरंतर प्रयासों के साथ, यह कार्यक्रम प्रत्येक रुपये के निवेश पर 37 रुपये के सामाजिक मूल्य का उत्पादन करने में सक्षम है। 2021 में शुरू किया गया रीच ईच चाइल्ड पहल का तीसरा चरण, माँ और बच्चे के जीवन के पहले 1000 दिनों के दौरान मदद और देखभाल प्रदान करता है। रीच ईच चाइल्ड प्रोग्राम स्थानीय स्तर पर पहल के माध्यम से 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए पर्याप्त पोषण को प्राथमिकता देता है। इस पूरी प्रक्रिया में कम्युनिटी न्यूट्रिशन वर्कर सूचना और सेवाओं के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। कार्यक्रम ने पिछले दो वर्षों में अमरावती और नंदुरबार जिलों के परिवारों पर बड़ा प्रभाव डाला है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के अन्य पिछड़े जिलों में भी अपने प्रयासों को विस्तार देना है, जिससे नई माताओं को भी इसका लाभ मिल सके। अपनी शुरुआत से लेकर अब तक के पूरे सफर में कार्यक्रम के मार्गदर्शक सिद्धांत पोषण के लिए एक जीवनचक्र दृष्टिकोण अपनाना; लिंग संवेदनशीलता और समावेशिता; सामुदायिक स्वामित्व और प्रारंभिक रोकथाम रहे हैं। इस पहल की शुरुआत -5 वर्ष से कम आयु के अविकसित बच्चों की संख्या को 40ज्ञ तक कम करने और बहुक्षेत्रीय और बहु-आयामी दृष्टिकोण के साथ बच्चों के कुपोषण को ष्5ज्ञ तक कम करने के लिए की गई है।

फोक्सवैगन इंडिया का इंदौर में ऑल-न्यू वर्टूस का एक्सक्लूसिव प्रिव्यू

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्राहकों को ऑल-न्यू वर्टूस का अनुभव कराने में सक्षम बनाने के लिए, फोक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया ने अपने मध्य प्रदेश राज्य के सभी 4 शोरूम में अपनी आकर्षक, शानदार, जर्मन-इंजीनियर्ड, नई वैश्विक सेडान का एक्सक्लूसिव प्रिव्यू आयोजित किया। इंडिया 2.0 परियोजना के तहत वर्टूस ब्रांड का दूसरा उत्पाद है, जिसे 9 जून 2022 को भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। यह पहल ब्रांड को इंडिया 2.0 परियोजना को पूरा करने की दिशा में एक कदम और करीब ले जाती है। इन प्रिव्यू के माध्यम से, पूरे क्षेत्र के ग्राहकों को इसके बाजार में लॉन्च होने से पहले वर्टूस का अनुभव करने का एक विशेष अवसर मिलेगा। कारलाइन के साथ, ग्राहक अपनी नई ब्रांड डिजाइन भाषा का एक अनूठा फोक्सवैगन अनुभव भी देखेंगे जो अधिक आकर्षक, आधुनिक, मर्मज्ञ, डिजिटल रूप से जुड़ा हुआ है और मानवोचित है, और डिजिटलीकृत समाधान जो पहुंच और सुविधा को बढ़ाते हैं।

घोषणा पर बोलते हुए, फोक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया के ब्रांड निदेशक, श्री आशीष गुप्ता ने कहा, 'फोक्सवैगन में, हम अपने ग्राहकों के लिए न्यू वर्टूस का रोमांच लाने के लिए इस क्षण का इंतजार कर रहे हैं। हम मध्य प्रदेश राज्य के अपने सभी शोरूम में फोक्सवैगन वर्टूस कस्टमर प्रिव्यू का आयोजित करने के लिए उत्साहित हैं। यह पहल से हमारे ग्राहकों को बाजार में लॉन्च होने से पहले हमारी नई वैश्विक सेडान का अनुभव करने का एक विशेष अवसर प्रदान करेगी। फोक्सवैगन में हम सभी को विश्वास है कि हमारे नवीनतम उत्पाद की पेशकश को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी और भारत में प्रीमियम मिडसाइज सेडान सेगमेंट को फिर से मजबूत करेगा। हमारे ग्राहकों के लिए यह कहने का समय आ गया है, 'हैलो गूजबंप्स'

न्यू वर्टूस फोक्सवैगन की एक गतिशील और भावनात्मक डिजाइन भाषा का प्रतीक है और ब्रांड के मूल डीएनए पर बनाया गया है जो बेहतर निर्माण गुणवत्ता, सुरक्षा और मजेदार-टू-ड्राइव अनुभव के लिए खड़ा है। नई सेडान को ईँ0 ष्प्लेटफॉर्म पर 95ज्ञ तक स्थानीयकरण स्तरों के साथ बनाया गया है। प्लेटफॉर्म के लचीलेपन ने नई सेडान को आलीशान केबिन और बूट स्पेस (521 लीटर) के साथ सेगमेंट में सबसे लंबी (4,561 मिमी) कार बनने में सक्षम बनाया, जो वास्तव में इसे - डिजाइन द्वारा बड़ा बना रही है।

संतोष वाधवानी व्यापारी प्रकोष्ठ की नगर कार्यसमिति में मनोनीत

इंदौर। भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिव एवं व्यापारी प्रकोष्ठ के नगर संयोजक धीरज खंडेलवाल द्वारा प्रदेश अध्यक्ष एवं संसद विष्णु दत्त शर्मा एवं प्रदेश संयोजक शरद अग्रवाल के निर्देशानुसार व सहमति से , इंदौर के सराफा व्यवसायी एवं रत्न विशेषज्ञ संतोष वाधवानी को इंदौर महानगर व्यापारी प्रकोष्ठ की कार्यसमिति में शामिल किया गया है। वही संतोष वाधवानी के मनोनयन पर विभिन्न व्यापारी संगठनों के अनेक व्यापारी गण एवं भाजपा नेताओं द्वारा बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है।

टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 22 में रेकॉर्ड संख्या में 125 पेटेंट्स के लिए आवेदन किया

वित्त वर्ष 2022 में हासिल किए 56 पेटेंट की मंजूरी, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में मानक तय करना बरकरार रखा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी, टाटा मोटर्स लिमिटेड (टीएमएल) ने नवाचार, अनुसंधान और उन्नत इंजीनियरिंग में प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। टाटा मोटर्स ने घोषणा की कि वित्त वर्ष 2022 में रिकॉर्ड संख्या में 125 पेटेंट्स दायर करके कंपनी ने इंजीनियरिंग उत्कृष्ता और नए आविष्कारों के अभियान को और तेज कर दिया है, जो जो कंपनी के इतिहास में अभी तक की सबसे बड़ी संख्या है। कंपनी की ओर से दर्ज कराए पेटेंट के आवेदनों में परंपरागत और नई एनर्जी पावरट्रेन टेक्नोलॉजी, सुरक्षा, वाहनों की कनेक्टेड टेक्नोलॉजी, बॉडी इन वाइट (बीआईडब्ल्यू) और ट्रिम्स के साथ दूसरे व्हीकल सिस्टम की विविध रेंज शामिल है। कंपनी ने इस अवधि में 56 नवीनतम उत्पादों या आविष्कारों के लिए पेटेंट संबंधी मंजूरी हासिल की। इंडस्ट्री को अग्रणी तकनीक और इंजीनियरिंग के समाधान प्रदान करने की कंपनी की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत रही है। टीएमएल लगातार नए जमाने की तकनीक में बढ़-चढ़कर निवेश कर रहा है। कंपनी का फोकस भविष्य के लिए यातायात के साधनों के निर्माण पर है। शोध और अनुसंधान, नई तकनीक को उन्नत बनाने तथा अलग-अलग व्यावसायिक और यात्री वाहनों के सफल निर्माण की कंपनी की स्वाभाविक क्षमता का नतीजा यह निकला है कि कंपनी ने लगातार नए-नए फीचर्स से लैस गाड़ियाँ उपभोक्ताओं को प्रदान की हैं। कंपनी की ओर से किए गए इन आविष्कारों की उपभोक्ताओं ने हमेशा सराहना की है। इससे मार्केट में कंपनी के शेयरों में काफी सुधार हुआ है और कंपनी ने इंडस्ट्री में नए मानक तय किए हैं। टीएमएल नए-नए फीचर्स से लैस वाहनों को हासिल करने की उपभोक्ताओं की इच्छा को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए टाटा मोटर्स उन्हें लगातार किफायती दाम पर हाई क्वॉलिटी और स्मार्ट फीचर्स से लैस गाड़ियाँ प्रदान करता रहता है। इनोशन और नई तकनीक के प्रति प्रतिबद्धता के विषय में जानकारी देते हुए टाटा मोटर्स के प्रेसिडेंट और सीटीओ, राजेंद्र पेटकर ने कहा कि, 'हमने कई क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक और फीचर्स में नए मानक स्थापित करने की अपनी परंपरा और विरासत कायम रखी है। इनमें नए एनर्जी सॉल्यूशंस, सुरक्षा, प्रॉडक्ट की शानदार परफॉर्मेंस, स्वामित्व की लागत और डिजिटलाइजेशन जैसे क्षेत्र शामिल है। अपने कर्मचारियों को नए-नए आविष्कारों के अनुकूल माहौल देने के लिए हमने शानदार इकोसिस्टम बनाया है और समृद्ध संस्कृति विकसित की है। हम लगातार और बेहतर करने की तलाश में यथास्थिति को चुनौती देते रहते हैं। यही कारण है, जिससे हम बेहतरीन गाड़ियों की डिलिवरी कर पाते है। हम अपनी इंजीनियरिंग प्रतिभा को यातायात के शानदार साधनों के निर्माण और विकास में लगाते रहेंगे।'

'Black Ribbon Initiative'

'समाधान' अभियान के तहत 539वीं कार्यशाला संपन्न

एडीजी कपूर ने उद्योगपतियों को दिया सायबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंडियन प्लाट पैक फोरम द्वारा सायबर क्राईम एवं सायबर सुरक्षा विषय पर 539वीं कार्यशाला दिनांक 20 मई को आयोजित की गई। जिसमें 125 उद्योगपति सम्मिलित हुए । आयोजन में "त्रिंग्दह घ्हर्गूग्न' 'समाधान' के तहत अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर द्वारा ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर के जामवर हॉल में प्रेजेंटेशन दिया। कार्यशाला प्रारंभ में इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के अध्यक्ष श्री सचिन बंसल, वरिष्ठ उद्योगपति श्री हितेश मेहता ने डॉ. वरुण कपूर-अति. पुलिस महानिदेशक का स्वागत किया गया।

मध्य भारत के प्लस्टिक पैकेजिंग और अलाईड प्रोडक्ट के अग्रणी संगठन के सदस्य उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए डॉ. वरुण कपूर अमनि द्वारा सायबर अपराध में दिन प्रतिदिन हो रही बढ़ोत्तरी के कारणों, सुरक्षित रहने के उपायों एवं सावधानियों को विस्तृत रूप से समझाया। सायबर अपराध बढ़ने का कारण सुरक्षा के मागदड नहीं अपनाना नियनों की जानकारी न होना एवं असली दुनिया के मापदंड वर्चुअल वर्ल्ड में अपनाना ही सायबर अपराध बढ़ने का मुख्य कारण है । यह युग इंफॉर्मेशन का युग है जिसके पास जितनी ज्यादा इफोर्मेशन होगी वह उतना ही सशक्त होगा। आजकल अपराधी भी हमारी सोशल मीडिया पर शेयर की गई जानकारी का उपयोग कर सायबर अपराध को अंजाम दे रहे हैं। आज की बल दुनिया में भी हमें हमारी सुरक्षा का ध्यान खुद रखना होगा सोशल नेटवर्किंग एवं कम्युनिकेशन में अंतर बताते हुये "अपने बारे में कितनी इंफॉर्मेशन कब, कैसे और कहाँ शेयर करनी है. शेयर करना भी है या नहीं एवं किसी पोस्ट को लाईक, शेयर एवं फारवर्ड करने के बारे में सचेत रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

फिशिंग अटैक के बारे में विस्तार से चर्चा करते श्री कपूर ने बताया कि फिशिंग से बचाव हेतु अनजान लिंक पर क्लिक न करे एवं यूआरएल चेक कर ले क्योंकि फेक या कापी वेबसाईट की स्पेलिंग गलत या अजीब सी होती है। सायबर अपराधी फेक वेबसाईट या ई-मेल के माध्यम से आपका पासवर्ड, क्रेडिट कार्ड का विवरण जैसी विभिन्न जानकारी धोखे से चुरा लेते हैं और उसका गलत प्रयोग करते हैं अतः बैंक संबंधी गतिविधि के समय इन बातों को ध्यान में रखें और समुचित जाँच पड़ताल करने के उपरांत ही किसी लिंक को खोला जार। किसी लिंक या साफ्टवेयर मेल या अप्लिकेशन के कोई भी वायरस हमारे पास भेज सकता है । इन सबसे बचने के लिये सतर्कता हमें ही रखना होगी। डॉ. कपूर द्वारा कार्यशाला में उपस्थित उद्योगपतियों को डिजिटल फुटप्रिंट के बारे में भी जानकारी दी गई। डिजिटल फुटप्रिंट कभी भी खत्म नहीं होते हैं। इसलिये कोई भी गतिविधि सायबर वर्ल्ड में करने के पूर्व सोच समझकर करें क्योंकि सायबर वर्ल्ड के किसी भी अपराध को डिजिटल फुटप्रिंट के माध्यम से आसानी से पकड़ा जा सकता है। इसलिये डिजिटल वर्ल्ड / डिजिटल मीडिया में कार्य करने के पहले सोचे समझे व फिर कार्य करें और अच्छा फुटप्रिंट बनाए । आपस में एक दूसरे से अश्लील एवं मद्दे जोक्स शेयर न करें और चाईल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े कंटेंट को न तो ओपन और न ही डाउनलोड करें किसी के द्वारा भेजे गये ऐसे कंटेंट को देखना भी अपराध है । यह आईटी एक्ट की धारा 67बी के अन्तर्गत अपराध की श्रेणी में आता है।

सायबर बुलिंग एक ऐसा अपराध है जो आजकल की इस डिजिटल दुनिया में किसी के साथ भी हो सकता है, लेकिन सायबर काईम एवं सुरक्षा के बारे में जानकारी के अभाव के कारण इसके चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे आते हैं। बुलिंग करने वाला व्यक्ति आपका रिश्तेदार, दोस्त या कोई अज्ञात व्यक्ति भी हो सकता है। सायबर बुलिंग एक तरह से इंटरनेट के माध्यम से होने वाली रेगिंग है । इसमें किसी को धमकाना, उसके खिलाफ अफवाह फैलाना, घृणास्पद बयानबाजी करना, फोटो का गलत प्रयोग करना, मद्दे कमेंट करना, अश्लील एवं अनुचित भाषा का प्रयोग करना इत्यादि सम्मिलित है। ऑनलाइन गेम में फंसाकर डरा धमका कर रूपये मांगना भी एक बुलिंग का तरीका है । इन सबसे विचलित होकर कई लोग / बच्चे आत्महत्या तक कर लेते हैं। सायबर स्टॉकिंग की शिकार ज्यादातर महिलायें होती है। यदि किसी अपरिचित व्यक्ति के द्वारा उन्हें बार-बार अनावश्यक रूप से फोन, ई-मेल, सोशल मिडिया एवं चेट रूम के माध्यम से परेशान किया जाता है तो उन्हें तुरन्त रिपोर्ट करनी चाहिये या अपने विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी देना चाहिये ।

साथ ही सायबर मंत्र के रूपमें डॉ. कपूर ने उद्योगपतियों को बताया कि सुरक्षा के मानक मापदण्डों को अपनाते हुये सायबर स्पेस का उपयोग करना चाहिये शार्टकट एवं प्रलोभन में ना फसें। सायबर वर्ल्ड में किसी भी गतिविधि को पूर्ण जानकारी के साथ सोच समझकर करें। किसी पर भी अंधा विश्वास न करे। और स्वयं की जानकारी को सुरक्षित रखे । इसके अतिरिक्त सायबर के विभिन्न अपराधों की जानकारी देते हुए डॉ. कपूर ने आगे बताया कि आज जहाँ पूरा विश्व मोबाईल, इंटरनेट के माध्यम से आपस में एक हो गया है व दैनंदिन के समस्त कार्यों में इंटरनेट का उपयोग सामान्य बात है, वहीं सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाला अपराध भी सायबर अपराध है।

उद्योगपतियों ने अपनी जिज्ञासा प्रश्नों के माध्यम से रखी जिनका समाधान डॉ. कपूर ने सहजता से किया । कार्यशाला का संचालन संगठन के पूर्व अध्यक्ष श्री बृजेश गांधी द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य रूपसे संगठन के अध्यक्ष श्री सचिन बंसल, उद्योगपति श्री हितेश मेहता, संगठन के पूर्व अध्यक्ष श्री बृजेश गांधी, सचिव रामकिशोर राठी एवं आरआर केट के वैज्ञानिक श्री अनुराग बंसल सम्मिलित हुए । कार्यक्रम के अंत में डॉ. वरुण कपूर-अति. पुलिस महानिदेशक को संगठन के कोषाध्यक्ष श्री जाहिद शाह ने प्रमाण पत्र एवं श्री प्रवीण गुप्ता व श्री प्रेम नागोरी के द्वारा स्मृति चिन्ह भेट किया गया ।

5 जून से कुंभ राशि में शनि के वक्री होने पर किसको होगा लाभ और किसे झेलने पड़ेंगे कष्ट

ज्योतिष में शनि ग्रह की चाल और स्वभाव का विशेष महत्व होता है। शनि ग्रह को कर्म फल दाता कहा जाता है। यह व्यक्ति को उसके द्वारा किए गए कर्मों के आधार पर ही फल प्रदान करते हैं। शनि ग्रह के राशि परिवर्तन,अस्त,मार्गी और वक्री होने पर देश-दुनिया के साथ सभी जातकों के जीवन पर विशेष प्रभाव पड़ता है। सभी ग्रहों में शनि सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं। शनि किसी भी राशि में करीब ढाई वर्षों तक रहते हैं और इस दौरान मार्गी और वक्री चाल भी चलते हैं। शनि इस महीने 05 जून को सुबह करीब 4 बजे वक्री हो जाएंगे।

कुंभ राशि में शनि के वक्री का महत्व

शनिदेव बीते 29 अप्रैल से अपनी दूसरी स्वराशि कुंभ में विराजमान है। शनिदेव को मकर और कुंभ राशि का स्वामित्व प्राप्त है। शनि कुंभ राशि में रहते हुए अब इसमें वक्री चाल से चलने वाले हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब भी कोई ग्रह अपनी स्वयं की राशि में होता है तो वह सदैव अच्छा परिणाम देता है। हालांकि जब भी कोई ग्रह वक्री होता है यानी उल्टी दिशा में चलने लगता है तो जातकों के जीवन पर विपरीत असर डालने लगता है। कार्य में छोटी-मोटी बाधाएं पैदा होने लगती हैं। करियर में असफलताएं और व्यापार में कम मुनाफा मिलने के संकेत देती है। व्यक्ति के खर्चे पहले की तुलना में बढ़ जाते हैं। लेकिन यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि जातक की कुंडली में शनि देव किस भाव में विराजमान हैं। शुभ भाव में होने पर अच्छा परिणाम और अशुभ भाव में बैठने पर परेशानियां देते हैं।

शनि का वक्री होना और राशियों पर शुभ और अशुभ प्रभाव

इन राशियों को मिलेंगे अच्छे रिजल्ट

मेष राशि- 05 जून 2022 से शनि के कुंभ राशि में वक्री होने पर मेष राशि के जातकों पर इसका शुभ और लाभ प्रदान करने वाला होगा। कार्यों में बाधाएं समाप्त होंगी। योजनाएं सही दिशा की तरफ आगे बढ़ेंगी। धन लाभ के एक से ज्यादा मौके आपको प्राप्त होने वाले हैं। समाज में आपके द्वारा किए गए कार्यों की चारो तरफ प्रशंसा होगी जिसे कारण आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। संतान सुख और परिवार के सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। करियर में यह समय आपके लिए अच्छे संकेत दे रहा है। व्यापार करने वाले जातकों के लिए शनि का कुंभ राशि में वक्री होना किसी वरदान से कम नहीं है।

कन्या राशि- कन्या राशि के जातकों के लिए शनि का वक्री होना अच्छा संकेत है। पैतृक संपत्ति से लाभ पाने की संभावना है। समय आपके अनुकूल रहेगा। अगर किसी जातक के कोर्ट कचहरी में कोई विवाद चल रहा है तो फैसला आपके पक्ष में आने के अच्छे संकेत है। धन लाभ के अच्छे मौके आपके हाथ में लगेंगे। छात्रों के नजरिए से शनि का वक्री होना प्रतियोगिता परीक्षा में अच्छे परिणाम की तरफ इशारा मिल रहा है। सेहत में अच्छा सुधार देखने को मिल सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं जहां पर आपकी किसी ऐसे व्यक्ति के मुलाकात हो सकती है जो आपके करियर में चार चांद लगा सकता है।

धनु राशिः शनि का वक्री होना धनु राशि के जातकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। कमाई के अच्छे मौके आपको प्राप्त होने वाले हैं। व्यापार में अब से अड़चनें दूर होंगी। अच्छी सफलता मिलनी अब से शुरू हो जाएंगी। करियर को नई ऊंचाई मिलेगी। महत्वपूर्ण फैसले आपके पक्ष में आएंगे। नौकरी में प्रमोशन और आर्थिक लाभ के अच्छे संकेत हैं। परिवार में तालमेल रहेगा।

इन राशि वालों के लिए रहेंगी परेशानियां

कर्क राशि- जीवन में चल रही बाधाओं से अभी आपको छुटकारा नहीं मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों के लिए कुछ दिनों तक मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। वाद-विवाद के मामले बढ़ सकते हैं। धन हानि भी हो सकता है। सेहत के संबंध में आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी।

वृश्चिक राशिः जीवन में अचानक आपके अनावश्यक खर्चे बढ़ने आरंभ हो जाएंगे। मानसिक तनाव के कारण आपका दिन सही ढ़ग से नहीं बीतेगा। धन के निवेश में सावधानी बरतनी होगी नहीं तो आपको आर्थिक चोट भी पहुंच सकती है। परिवार में किसी मुद्दे को विवाद पनप सकता है।

मीन राशिः शनि का वक्री होना आपके लिए अच्छे संकेत नहीं है। व्यापार में नुकसान हो सकता है इसलिए किसी योजना को आप आगे के लिए टाल सकते हैं। करियर में कुछ रूकावटें आएंगी जिस वजह से आप आगे नहीं बढ़ पाएंगे। किसी को उधार देने से बचें। नहीं तो आपका पैसा लंबे समय के लिए फंस सकता है।

घर से निकलते ही दिखाई दे ये पशु या पक्षी तो अशुभ होता है, शुभ भविष्य के संकेत

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

शकुन अपशकुन शास्त्र, समुद्रिक शास्त्र और ज्योतिष शास्त्र में पशु या पक्षियों के दर्शन करने को शुभ और अशुभ श्रेणी में विभाजित किया गया है। कहते हैं कि घर से निकलते ही इनके दर्शन हो जाए तो यह शुभ या अशुभ होते हैं। इनसे भी संकटों के संकेत मिलते हैं। आओ जानते हैं कि किस पशु या पक्षी को देखना शुभ है या अशुभ।

शुभ :

1. चिड़िया के दर्शन शुभ है।
2. तोते का दर्शन शुभ माना गया है।
3. बकरी-बकरा शुभ माना गया है।
4. मुर्गा शुभ माना गया है।
5. हाथी दर्शन अति शुभ माना गया है।
6. सूअर भी शुभ माना गया है।
7. घोड़ा भी शुभ माना गया है। भूतादि घोड़े से दूर रहते हैं।
8. मधुमखी को अति शुभ माना गया है।
9. मोर का दर्शन शुभ है।
10. गाय या बैल का दर्शन शुभ है।
11. सफेद उल्लू का दर्शन शुभ।
12. नीलकंड का दिखाई देना शुभ।
13. धनेश का दिखाई देगा शुभ।

अशुभ

1. कबूतर को अशुभ माना गया है।
2. बिल्ली को अशुभ माना गया है।
3. सांप के दर्शन दुखदाई है।
4. चमगादड़ को देखना दुख, धोका, जादूटोना आदि।
5. चील अशुभ है। चील जिस पेड़ पर आती है वो पेड़ सूख जाता है।
6. चूहा यदि बिना कारण के मकान को छोड़ दे तो मकान गिर जाता है।
7. भैंस या भैंसा का दर्शन अशुभ।
8. गिद्ध का दर्शन अशुभ।
9. बिच्छू का दिखाई देना अशुभ।
10. लाल चिटिंयों का दिखाई देना भी अशुभ।

जून के तीज-त्योहारः साल भर की सभी एकादशियों के व्रत के बराबर पुण्य दिलाने वाली निर्जला एकादशी 10 जून को, 14 जून को रहेगी पूर्णिमा

नया महीना जून शुरू हो गया है। इस महीने में कई खास तीज-त्योहार मनाए जाएंगे। जून में रंभा तीज, गंगा दशहरा, पूर्णिमा, योगिनी एकादशी, अमावस्या तिथि आएगी। इसी महीने 30 जून से गुप्त नवरात्र की शुरुआत होगी। जानिए महीने की खास तिथियां और उनसे जुड़ी खास बातें...

गुरुवार, 2 जून को रंभा तीज है। इस तिथि पर सौभाग्य और सुंदर रूप-रंग पाने की कामना से अप्सरा रंभा की पूजा की जाती है।

शुक्रवार, 3 जून को विनायकी चतुर्थी है। इस दिन नौतपा समाप्त हो जाएगा। चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश के लिए व्रत-उपवास और पूजा करने की परंपरा है।

गुरुवार, 9 जून को गंगा दशहरा है। इस तिथि पर गंगा नदी की पूजा की जाती है। ये पर्व जल का महत्व बताता है।

शुक्रवार, 10 जून को निर्जला एकादशी है। इस एकादशी का महत्व सालभर की सभी एकादशियों में सबसे अधिक है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग इस एकादशी पर व्रत करते हैं, उन्हें सालभार की सभी एकादशियों से प्राप्त होने वाले पुण्य के बराबर पुण्य मिलता है। ये व्रत निर्जल रहकर किया जाता है। इस कारण इसे निर्जला एकादशी कहते हैं।

रविवार, 12 जून को प्रदोष व्रत है। इस दिन शिव-पार्वती की विशेष पूजा करनी चाहिए।

मंगलवार, 14 जून को ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा है। इसी तिथि संत कबीर की जयंती भी है। इस दिन ज्येष्ठ मास खत्म हो जाएगा।

बुधवार, 15 जून से आषाढ़ मास शुरू होगा। 15 जून को मिथुन संक्रांति है। इस दिन सूर्य वृष राशि से मिथुन राशि में प्रवेश करेगा। संक्रांति पर नदी में स्नान करने और दान-पुण्य करने की परंपरा है।

शुक्रवार, 17 जून को गणेश चतुर्थी व्रत है। इस दिन गणेश जी के लिए व्रत-उपवास करना चाहिए।

शुक्रवार, 24 जून को योगिनि एकादशी का व्रत किया जाएगा। एकादशी पर भगवान विष्णु के लिए व्रत-उपवास करना चाहिए।

रविवार, 26 जून को प्रदोष व्रत रहेगा।

मंगलवार, 28 जून को हलहारिणी अमावस्या है। इस तिथि पर पितरों के लिए श्राद्ध कर्म करना चाहिए। पंचांग भेद की वजह से 29 जून को भी अमावस्या रहेगी।

गुरुवार, 30 जून से आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्र शुरू होगी। गुप्त नवरात्र में महाविद्याओं के लिए साधना की जाती है।

इन ग्रहों की खराब स्थिति के कारण भी हो सकता है हृदय रोग, जानिए दिल की बीमारी से बचने के ज्योतिष उपाय

आजकल की भागदौड़ भरी और अव्यवस्थित जीवनशैली में खुद को स्वस्थ रख पाना सबसे बड़ी चुनौती है। काम के अधिक दवाव की वजह से इंसान के खाने-पीने, सोने-जागने और उठने-बैठने का पूरा क्रम बिगड़ गया है। इसकी वजह से दिल की बीमारियां बढ़ने लगी हैं। पिछले कुछ समय में हार्ट अटैक की समस्या और दिल का दौरा पड़ने से मौत होने का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि अच्छी जीवनशैली होने के बावजूद भी कई सिलेब्रिटीज की मौत दिल का दौरा पड़ने से हो रही है। बीते दिन प्रसिद्ध गायक केके का निधन हो गया। डॉक्टर्स के अनुसार केके का निधन दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुआ है। आजकल हृदयरोग की समस्या इतनी तेजी से बढ़ी है कि ये बीमारी अब प्रत्येक आयु के लोगों को हो रही है। डॉक्टर्स के अनुसार दिल की बीमारियां अधिक तनाव की वजह से होती हैं, लेकिन ज्योतिष में कुछ ग्रहों को भी इसका कारण बताया गया है। ऐसे में चलिए ज्योतिष के अनुसार जानते हैं कि किन कारणों से हृदय रोग की समस्या होती है....

ये ग्रह हो सकते हैं हृदय रोग के जिम्मेदार

सूर्य- ज्योतिष के अनुसार, सूर्य पिता और आत्मा का कारक ग्रह होता है। इसकी शुभ-अशुभ स्थितियों के आधार पर हृदय रोग के बारे में भी जानकारी हासिल की जाती है।

चंद्रमा- चंद्रमा मन और मस्तिष्क का कारक होता है। इसलिए ज्योतिष के अनुसार खराब चंद्रमा को भी हृदय रोग का कारक माना जाता है।

मंगल- ज्योतिष की माने तो मंगल ग्रह हमारे शरीर की मांसपेशियों का प्रतिनिधित्व करता है। चूंकि हृदय भी मांसपेशियों से बना होता है इसलिए मंगल को भी हृदय रोग का कारक माना जा सकता है।

राहु- ज्योतिष शास्त्र में राहु को अचानक घटनाएं, दुर्घटनाएं, बीमारियां लाने वाला ग्रह माना गया है। ऐसे में यदि व्यक्ति को किसी प्रकार का हृदय रोग है तो राहु को भी इसका कारक माना जाता है।

हृदय रोग से बचने के ज्योतिष उपाय

सबसे पहले तो अगर आपको हृदय से संबंधित कोई रोग है या उसकी आशंका लग रही है तो आपको अपने डॉक्टर से संपर्क चाहिए। उसके बाद ही किसी ज्योतिषीय उपाय की ओर ध्यान दें। ज्योतिषीय के अनुसार, हृदय से जुड़ी किसी भी समस्या से बचने के लिए सूर्योदय के समय रविवार को 108 बार गायत्री मंत्र का जाप करें। ये उपाय हृदयरोगों से सुरक्षा प्रदान करता है। वहीं सोमवार को रात के समय आरामदायक स्थिति में बैठकर चंद्र कर ''ऊँ सोम सोमाय नमः'' मंत्र का 108 बार जाप करें। इसके अलावा मंगलवार को सुबह पूजा के समय मंगल के मंत्र ''ऊँ अं अंगारकाय नमः'' मंत्र का 108 बार जाप करे। साथ ही मन की शांति के लिए पन्ना, सफेद मोती या पीला पुखराज भी धारण कर सकते हैं।

इलेक्ट्रिफाईंग- बीएमडब्लू आई-4

सभी अपेक्षाओं से आगे भारत में असीम शीयर ड्राइविंग प्लेजर के साथ प्रथम इलेक्ट्रिक मिड.साइज सिडान का आगमन

बीएमडब्लू ग्रुप भारत में इलेक्ट्रिक कारों के सबसे विविध पोर्टफोलियो के साथ आगे

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फर्स्ट एवर बीएमडब्लू आई-4 को भारत में लॉंच किया गया है। बीएमडब्लू ग्रुप भारत में इलेक्ट्रिक कार्स की सर्वाधिक व्यापक पोर्टफोलियो की पेशकश करने वाली पहली कार निर्माता है। इलेक्ट्रिफाईंग बीएमडब्लू आई-4 बीएमडब्लू की पहली इलेक्ट्रिक मॉडल है जो पूरी तरह ड्राइविंग डाइनैमिक्स पर केन्द्रित है। यह अल्टीमेट इलेक्ट्रिक ड्राइविंग मशीन है जो नेक्सजैन जॉय बीएमडब्लू एटिट्यूड ती भावना का प्रतिनिधित्व करती है। बीएमडब्लू आई-4 में स्पोर्टिंग कौशल का एक ऐसे रेंज के साथ संयोजन है जो आराम भरपूर जगह और व्यावहारिकता के साथ लम्बे सफर के लिए भी माकूल है। इसे आनलाइन बुक किया जा सकता है। डिलिवरी जुलाई 2022की शुरुआत से आरंभ होगी।

श्री विक्रम पावाह प्रेसीडेंट बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया के ने कहा किए बीएमडब्लू आई-4 के लॉंन्च के साथ मैं देश में प्रथम इलेक्ट्रि मिड.साइज सिडान को पेश करते हुए उत्साहित हूँ। बीएमडब्लू आई-4 संवहनीयता के अभूतपूर्व अनुभव के साथ बड़ी सहजतापूर्वक ड्राइविंग के आनंद का संयोजन करता है। बीएमडब्लू ड्राइव टेक्नोलॉजीए हाई.वोल्टेज लिथिअम.आयन बैटरीएरीयर व्हील ड्राइव और ऐडवांस्ड सस्पेन्शन काइनेमेटिक्स के अद्वितीय संयोजन की बदौलत बीएमडब्लू आई-4 असाधारण स्पोर्टी अहसास प्रदान करती है। यह भारत की सबसे लम्बी रेंज का इलेक्ट्रिक वाहन है। श्रेणी में सर्वश्रे'ठ परिवेश, जगहए और रीयर ऐक्सल सस्पेन्शन के साथ परम लग्जरी ज्यादा लम्बे सफर के लिए भी अधिकतम आराम सुनिश्चित करती है।डाइनैमिक, आरामदेह और समान अनुपात में शक्तिशाली ठडॅ प4हर दिन हर समय अपेक्षाओं से बढ़ करअसली इलेक्ट्रिफाईंग अनुभव प्रदान करती है। ठडॅग्रुप के पास आज भारतीय ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रि कार्स का सबसे व्यापक और विविधत पोर्टफोलियो है।

खाने का तेल होगा सस्ता!

सोने-चांदी के बढ़ सकते हैं दाम, सरकार ने इन कमोडिटी के बेस इम्पोर्ट प्राइज में किया बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी

खाने के तेल की कीमतें घटाने के लिए सरकार ने एक बार फिर बड़ा कदम उठाया है। केंद्र की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पाम तेल के बेस इम्पोर्ट प्राइज में कटौती की गई है, जबकि सोयाबीन तेल और सोने-चांदी का बेस इम्पोर्ट प्राइज बढ़ा दिया गया है। सरकार ने मंगलवार देर रात जारी स्टेटमेंट में कहा, क्रूड और रिफाइंड पाम तेल के आधार आयात मूल्य घटा दिया है, जबकि क्रूड सोया ऑयल के आयात मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। इस कदम से सोयाबीन का तेल आने वाले समय में महंगा हो सकता है, जबकि पाम तेल की खुदरा कीमतों में गिरावट की संभावना है। सरकार हर पखवाड़े में खाद्य तेलों और सोने-चांदी के आधार आयात मूल्य में बदलाव करती है। इसी कीमत के आधार पर सरकार टैक्स का निर्धारण भी करती है। किसी उत्पाद का आधार आयात मूल्य ही उस पर लगने वाले टैक्स की मात्रा तय करता है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड आधार मूल्य पर ही कारोबारियों के लिए टैक्स की देनदारी तय करता है।

पहले खत्म किया था शुल्क

पिछले सप्ताह भी सरकार ने खाने के तेल की कीमतें घटाने के लिए बड़ा ऐलान किया था। तब सरकार ने सालाना 20 लाख टन सोया तेल के आयात पर शुल्क खत्म कर दिया था। भारत अपनी जरूरत का करीब 60 फीसदी खाने का तेल हर साल आयात करता है, जो दुनिया के किसी भी अन्य देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है।

कितना सस्ता हुआ है तेल

कच्चा पाम तेल जो पहले 1,703 डॉलर प्रति टन के हिसाब से आयात किया जाता था, अब 1,625 डॉलर प्रति टन के मूल्य पर मिलेगा। इसी तरह, RBD पाम तेल के आधार आयात मूल्य को भी 1,765 डॉलर प्रति टन से घटाकर 1,733 डॉलर कर दिया गया है। RBD पामोलिन की बेस इम्पोर्ट प्राइज भी घटाकर 1,744 डॉलर कर दी गई है, जो अभी तक 1,771 डॉलर प्रति टन के हिसाब से आयात किया जाता था।

इन कमोडिटी पर बढ़ाया रेट

सरकार ने जहां पाम ऑयल के आयात रेट में कटौती की है, वहीं कच्चे सोया तेल का आयात महंगा कर दिया हैष अब कच्चे सोया तेल के प्रति टन आयात पर कारोबारियों को 1,866 डॉलर का भुगतान करना होगा, जो पहले 1,827 डॉलर किया जाता था। इसके अलावा सोने और चांदी के बेस इम्पोर्ट प्राइज में भी बढ़ोतरी हुई है। सोने का बेस इम्पोर्ट प्राइज अब 597 डॉलर प्रति 10 ग्राम रहेगा, जो पहले 592 डॉलर था। इसी तरह, चांदी का बेस इम्पोर्ट प्राइज अब 721 डॉलर प्रति किलोग्राम हो गया है, जो पहले 687 डॉलर प्रति किलोग्राम था।

सालासर टेक्नो के रेवेन्यु में 21प्रतिशत की वृद्धि

गोवा हवाई अड्डे पर चार कम्युनिकेशन टावर किए इंस्टॉल

SALASAR
TECHNO ENGINEERING LTD

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन कंपनी सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त अवधि के लिए अपने परिणामों की घोषणा की है। कंपनी की 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में ऑपरेशन्स से टोटल इनकम 718.87 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की ऑपरेशनल इनकम 596.59 करोड़ रुपये में 20.5 प्रतिशत अधिक रही। वित्तीय वर्ष 2022 में, कंपनी ने प्रॉफिट आफ्टर (पीएटी) में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 32.18 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वर्ष में 30.02 करोड़ रुपये थी। 2021-22 के दौरान ऑपरेशन्स प्रॉफिट 43.86 करोड़ रुपये से घटकर 42.25 करोड़ रुपये रहा। वार्षिक आधार पर, कंपनी ले वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 11.01 के ईपीएस की सूचना दी।

वित्तीय वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में, सालासर टेक्नो ने ऑपरेशन्स से 212.28 करोड़ रुपये की इनकम दर्ज की। जो दिसंबर 2021 तिमाही में 173.61 करोड़ रुपये की ऑपरेशन्स इनकम से 22.27 प्रतिशत अधिक रही। क्रमिक आधार पर, वित्तीय वर्ष22 की चौथी तिमाही में कंपनी का बॉटमलाइन 9.33 प्रतिशत बढ़कर 7.86 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्तीय वर्ष22 की तीसरी तिमाही में 6.96 करोड़ रुपये था। कंपनी का ईपीएस इस अवधि के दौरान 2.44 से बढ़कर 2.52 हो गया। वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 9.86 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट के साथ 215.01 करोड़ रुपये की इनकम दर्ज की है। कमाई की घोषणा के साथ, कंपनी ने शेयर के फेस वैल्यू पर 10 प्रतिशत के फाइनल डिविडेंड की भी घोषणा की, जो कि 10 रुपये है। डिविडेंड राशि 1 रुपये के रूप में निकलती है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

कंपनी अहमदाबाद से मुंबई को जोड़ने वाली भारत की पहली हाई-स्पीड रेलवे पर जल्द ही 10,000 मीट्रिक टन ओपन वेब गर्डर्स पर काम कर के अपने फेब्रिकेशन स्किल्स का प्रदर्शन करने जा रही है। इसके अलावा, कंपनी ने गोवा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 15 मीटर ऊंचाई के चार टावरों का डिजाइन, निर्माण और स्थापना भी की। इन टावरों का इस्तेमाल एयरपोर्ट पर कम्युनिकेशन के लिए किया जाएगा। परिणामों पर सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड के एमडी श्री शशांक अग्रवाल ने कहा, 'हम नए वित्तीय वर्ष में अपनी प्रोफिटिबिटी और हेल्थ आर्डर बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। हमारी कंपनी के मज़बूत सिद्धांतों हमें लंबे समय के आगे बढ़ने में काफी मदद करेंगे।'

रूस पर अटैक करेगा यूक्रेन!

(पृष्ठ 1 का शेष)

इन हथियारों को रूसी समकक्षों की तुलना में अधिक सटीक माना जाता है।

डोनबास में जारी है यूक्रेन और रूस के बीच लड़ाई

यूक्रेन के सेना प्रमुख ने हाल ही में कहा था कि रूसी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने में प्ष्ैंए महत्वपूर्ण साबित होगा। अमेरिका को उम्मीद है कि यूक्रेन पूर्वी डोनबास क्षेत्र में हथियारों को तैनात करेगा, जहां लड़ाई सबसे तेज है और जहां उनका इस्तेमाल रूसी तोपखाने इकाइयों और यूक्रेनी शहरों को टारगेट करने वाले बलों पर हमला करने के लिए किया जा सकता है।

साइकल प्योर अगरबत्ती ने पेश कीं अगरबत्तियों की हेरिटेज और फ्लूट रेंज

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया की सबसे बड़ी अगरबत्ती निर्माता साइकल प्योर अगरबत्ती ने अगरबत्तियों की हेरिटेज और फ्लूट रेंज पेश की हैं। कंपनी ने उत्पाद विस्तार और नवाचार की अपनी रणनीति के तहत आज इंदौर में एक कार्यक्रम के दौरान यह रेंज उतारीं। साइकल प्योर अगरबत्ती के प्रबंध निदेशक श्री अर्जुन रंगा ने पारंपरिक भारतीय कला शैलियों से प्रेरित हेरिटेज रेंज और फल तथा फूलो की सुगंध वाली फ्लूट रेंज से पर्दा हटाया।

हेरिटेज अगरबत्तियों की नई रेंज असली 'बेस' बत्ती का उपयोग कर पारंपरिक तरीके से बनाई गई है, जिसका उद्देश्य मधुबनी लोक कला, वारली लोक कला, संथाल आदिवासी कला और सांझी लोक कला जैसी प्राचीन, सुंदर भारतीय कला शैलियों को पुनर्जीवित तथा संरक्षित करना है। हरेक पैकेट खरीदने पर इन धरोहर शैलियों के कलाकारों की सहायता होती है।

फ्लूट अगरबत्तियों की आकर्षक रेंज है, जिसे फलों और फूलों की सुगंध से तैयार किया गया है। इसमें अमरसिया, गुलबिया, लावणी, पुष्पः फलः, निंबूरी, कोकोनीर और शिवली समेत 9 खुशबू हैं।

इस मौके पर साइकल प्योर अगरबत्ती के प्रबंध निदेशक श्री अर्जुन रंगा ने कहा, 'एक ब्रांड के तौर पर हम अपनी सुगंधों के जरिये भारत की मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों को उम्मीद तथा प्रेरणा देने की तथा दुनिया भर में अपने लाखों उपभोक्ताओं को बढ़िया उत्पाद देने की कोशिश करते हैं। हमारा मकसद हेरिटेज रेंज की अगरबत्तियों के जरिये मधुबनी, वारली, संथाल और सांझी की भव्य और पारंपरिक कला शैलियों को बचाए रखने में मदद करना है। दूसरी ओर फ्लूट रेंज प्रकृति की संपदा और उसके फलों-फूलों से प्रेरित है, जिसकी खुशबू हमारे ग्राहकों के दिलों तथा

घरों को नई ऊर्जा देगी।' साइकल के उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली सभी सामग्री उचित तरीके से तथा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए प्राप्त की जाती है। इसके उत्पादों के निर्माण के दौरान बनने वाला समूचे कार्बन की भरपाई कर दी जाती है क्योंकि कंपनी को जीरो कार्बन विनिर्माता का प्रमाणपत्र मिला है।

पीआर 24x7 के नाम अब 'बेस्ट प्लेस टू वर्क ऑफ द ईयर' का खिताब दर्ज

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश में निहित प्रोफेशन को नई उड़ान और बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में मुंबई के होटल ग्रीन विलेज रिसॉर्ट में टमस स्प्री टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत और इन्फोसेंट्रॉइड सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सह-प्रस्तुत 'रियल इम्पीरियल अवॉर्ड्स 2022' का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत देश की अग्रणी पब्लिक रिलेशन्स कम्पनीज़ के रूप में जानी-मानी कंपनी, पीआर 24x7 को बेहद अनोखे अवॉर्ड- 'बेस्ट प्लेस टू वर्क ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया। समस्त टीम के लिए यह उत्साह का क्षण है।

रियल इम्पीरियल अवॉर्ड्स 2022 द्वारा प्रदान किया गया 'बेस्ट प्लेस टू वर्क ऑफ द ईयर' अवॉर्ड पीआर 24x7 को इसके क्लाइंट्स के प्रति निष्ठाभाव, समर्पण, तथाकथित वादों को पूरा करने के जज़्बे, उत्तम एन्वायर्नमेंट और वर्किंग कल्चर, मजबूत टीम भावना, महिलाओं के लिए शुरू की गई अद्भुत पहल- मेंस्ट्रुअल लीव, वुमन हरासमेंट कमिटी और वर्ष के 365 दिन बिना किसी रुकावट के अपनी शत-प्रतिशत सेवाएँ देने के एवज में मिला है।

अवॉर्ड को लेकर उत्साहित इवेंट में मौजूद विकास राजोरा, सीनियर मैनेजर- क्राइसिस मैनेजमेंट, पीआर 24x7 कहते हैं, 'इतने बड़े स्तर पर मशहूर सेलेब्रिटीज़ और राजनेताओं के बीच 'बेस्ट प्लेस टू वर्क' अवॉर्ड से सम्मानित किया जाना समस्त पीआर 24x7 टीम के लिए बेहद गर्व का क्षण है। यह हमें और अधिक लगन और जुनून के साथ काम करने के लिए प्रेरित करता है।' इवेंट में मौजूद कंपनी के अन्य अहम् सदस्य पवन त्रिपाठी, डिजिटल कंसल्टेंट, पीआर 24x7 कहते हैं, 'यह पूरी टीम की मेहनत का ही फल है, जो इंदौर की हमारी कंपनी को मुंबई में 'बेस्ट प्लेस टू वर्क' अवॉर्ड के रूप में ख्याति प्राप्त हुई। 'क्लाइंट सटिस्फैक्शन इज़ आर मोटो' हमें अपने कर्तव्यों के प्रति हमेशा तत्पर रहने की वजह प्रदान करता है, और हम उम्मीद करते हैं कि इसे और क्लाइंट के प्रति हमारे अटूट विश्वास को हमेशा बरकरार रखेंगे।

गौरतलब है कि इंदौर स्थित पीआर 24x7 को पहले भी कई बड़े अवॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। इसकी लम्बी-चौड़ी सूची में टेकबहीमैथ्स अवॉर्ड, तीन बार क्वालिटी मार्क अवॉर्ड्स, चाणक्य अवॉर्ड, कोविड हीरो अवॉर्ड, सिलिकॉन अवॉर्ड और टॉप मोस्ट प्रोमिसिंग एजेंसी ऑफ द ईयर 2021 आदि जैसे मशहूर अवॉर्ड्स के नाम शामिल हैं। पीआर 24x7 के अलावा 41 अन्य कम्पनीज़ को भी इस तरह के स्पेशल अवॉर्ड्स से नवाज़ा गया, जिनमें बिजनेस मैन, आंत्रप्रेन्योर्स, इनोवेटर्स, आर्टिस्ट्स, डॉक्टर्स, फैशन मॉडल्स, इंटीरियर डिज़ाइनर्स, वकील, फिल्म डायरेक्टर्स, सिंगर्स, डांसर्स, टैटू आर्टिस्ट आदि शामिल रहे।,

इंदौर ने 2011 से खुदरा क्षेत्र में 61 मिलियन अमरीकी डालर का प्राइवेट इक्विटी निवेश दर्ज किया: नाइट फ्रैंक इंडिया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एक नवीनतम रिपोर्ट में, वैश्विक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी नाइट फ्रैंक इंडिया ने बताया है कि भारत में खुदरा क्षेत्र ने 2011 - 2021 की अवधि के लिए 3894 मिलियन अमरीकी डालर प्राप्त किया। दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा में निवेशकों की रुचि प्रमुख महानगरों से परें चली गई है। इस अवधि के दौरान, इंदौर को खुदरा क्षेत्र में 61 मिलियन अमरीकी डालर का प्राइवेट इक्विटी निवेश प्राप्त हुआ। मुंबई, बेंगलुरु और पुणे भारत के 3 अग्रणी शहर थे, जिन्होंने 2011 - 2021 की अवधि के दौरान खुदरा क्षेत्र में क्रमशः 1614 मिलियन अमरीकी डालर, 512 मिलियन अमरीकी डालर, 483 मिलियन अमरीकी डालर के प्राइवेट इक्विटी निवेश दर्ज किए। ऑफिस संपत्ति से भिन्न, खुदरा में निवेशकों की रुचि प्रमुख महानगरों से परें चली गई। सूची में इंदौर का नाम भी शामिल है।

मुंबई	1,614
बेंगलुरु	512
पुणे	483
चंडीगढ़	267
हैदराबाद	197
एनसीआर	192
अहमदाबाद	123
लखनऊ	115
चेन्नई	106
नागपुर, अमृतसर	100
कोलकाता	77
इंदौर	61
भुबनेश्वर	46
Grand Total	3,894

सोने में निवेश के लिए फोन पे ने लॉन्च की यूपीआई के ज़रिए एसआईपी की सुविधा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की मुख्य डिजिटल पेमेंट कंपनी ने UPI SIP के ज़रिए सोने में निवेश की सुविधा लॉन्च की है। यूज़र्स अब हर महीने कुछ पैसा डालकर 24ख शुद्ध सोने में निवेश कर सकते हैं। यूज़र्स इस सोने को इंश्योरेंस किए गए बैंक के लॉकर में रख सकते हैं। इन लॉकर्स को इम्दहाझ के पार्टनर MMTC-PAMP और SafeGold प्रबंधित कर रहे हैं। PhonePe पर SIP के ज़रिए सोना खरीदने की सबसे खास बात है यह है कि पेमेंट UPI से की जा सकती है। यूज़र को बस गोल्ड प्रोवाइडर को चुनना है, हर महीने निवेश के लिए रकम तय करनी है, UPI पिन का प्रमाणीकरण करना है और बस हो गया! सोने की SIP सेट करना सिर्फ़ एक बार का काम है, इसमें कोई झंझट भी नहीं है और एक बार सेट करने के बाद पेमेंट अपने-आप होती है। यूज़र्स का अपने सोने के निवेश पर पूरा कंट्रोल होगा और वे जब चाहें, अपना सोना बेच सकते हैं। सोना बेचने के बाद पैसे सीधे उनके बैंक अकाउंट में आ जाएंगे। यूज़र्स अगर चाहें, तो उनके पास सोने के सिक्के और बार के रूप में अपना सोना लेने का विकल्प है। यूज़र्स का सोना उनके घर पर डिलीवर किया जाएगा।

PhonePe पर UPI SIP के ज़रिए सोने में निवेश करने के ये फ़ायदे हैं:

हर महीने सिर्फ़ 100 रुपये देकर खरीदें 24K सोना:

सोने में SIP के ज़रिए, यूज़र्स हर महीने सिर्फ़ 100 रुपये से 24K शुद्ध सोने में निवेश की शुरुआत कर सकते हैं और हर महीने छोटी-छोटी रकम देकर सोने में निवेश को जारी रख सकते हैं।

कीमत में उतार-चढ़ाव से घबराने की ज़रूरत नहीं: सोने में SIP के ज़रिए निवेश एक तय तारीख पर होने वाला निवेश है, तो ऐसे में यूज़र्स को निवेश का सही समय ढूंढने के लिए हर वक्त सोने की कीमत में हो रहे उतार-चढ़ाव को देखने की ज़रूरत नहीं है। हर महीने एक तय रकम को सोने में निवेश करके, लंबी अवधि में यूज़र्स अपने निवेश की औसत कॉस्ट को कम कर सकते हैं।

लॉन्च के मौके पर, टेरेंस लूसियन, निवेश प्रमुख, PhonePe ने कहा, 'PhonePe में हमारा मानना है कि हम ऐसे प्रोडक्ट बनाएं और ऐसी सुविधाएं दें जिससे 38 करोड़ लोगों की निवेश की ज़रूरतों को पूरा किया जा सके। भारतीय लोग सोने खरीदने के स्मार्ट तरीके ढूंढ रहे हैं और ऐसे में हमें खुशी है कि हम अपने यूज़र्स को UPI के ज़रिए सोने में SIP सेट अप करने की सुविधा दे रहे हैं। PhonePe की सोने में SIP की सुविधा की मदद से, यूज़र्स छोटी-छोटी रकम हर महीने निवेश करके, 24K का बिल्कुल शुद्ध सोना खरीद सकते हैं। ऐसा करने से, यूज़र्स बिना किसी झंझट के लंबी अवधि के लिए सोने में निवेश कर सकते हैं'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।